बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित

हनुमानगढ़। जिले में बाढ़ जैसे हालातों से निपटने के लिए कलेक्ट्रेट नियंत्रण कक्ष को बाढ़ नियंत्रण कक्ष (ई.ओ.सी.) में बदला गया है। अतिवृष्टि, बाढ़ तथा अन्य प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए जिला मुख्यालय पर ई.ओ.सी. 24 घन्टे 'राउंड द क्लॉक' कार्य करेगा। कलेक्ट्रेट में पूर्व में कार्यरत सामान्य कन्ट्रोल रूम 01552-260299 को लगातार हेल्प लाइन के लिए 15 जून से 30 सितम्बर, 2024 तक इमरजेन्सी ऑपरेशन सेंटर (ई.ओ.सी.) मानसून और बाढ़ नियंत्रण कक्ष के रूप में स्थापित किया गया है। ई.ओ.सी. के लिए अतिरिक्त जिला कलक्टर हनुमानगढ़ उम्मेदी लाल मीना को प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। इस बाढ़ नियंत्रण कक्ष में पंजिका का संधारण किया जाएगा, जिसमें दैनिक घटनाओं का पूर्ण इन्द्राज किया जाएगा तथा उस घटना पर हुई कार्रवाई की रिपोर्ट भी लिखी जाएगी। नियंत्रण कक्ष में नियुक्त कार्मिक मौसम विभाग की वेबसाइट और आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा मौसम से संबंधित सूचना /चेतावनी /एडवाईजरी/अलर्ट आदि पर निगरानी रखेंगे। सबंधित दैनिक सूचना प्रभारी अधिकारी बाढ़ नियंत्रण कक्ष, आपदा प्रबंधन सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग जयपुर तथा संभागीय आयुक्त, बीकानेर को भेजेंगे।

श्रीगंगानगर एसपी ने प्रतिबंधित दवाओं को लेकर निर्देश

श्रीगंगानगर। जिला पुलिस अधीक्षक श्रीगंगानगर द्वारा ध्यान में लाया गया है कि जिला श्रीगंगानगर में कुछ दवाईयां जो एनडीपीएस एक्ट के तहत नशे के रूप में परिभाषित नहीं है, उन दवाईयां (जैसे प्रीगाबलिन टापेंटाडोल, जोपिक्लोन साल्ट आधारित दवाइ्यां) को टेबलेट या इन्जेक्शन के रूप में लोगों द्वारा नशे के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। स्थानीय भाषा में इनके कई नाम है जैसे- सिग्रेचर, जोंडयार, हरा तोता, संती, हरे कैप्सूल और नीला फोर्ड आदि।

लोकहित तथा युवकों के उज्जवल भविष्य को ध्यान में रखते हुए उक्त दवाओं की खुली/अनियन्त्रित बिक्री पर प्रतिबन्ध लगाया जाना नितान्त आवश्यक है।

जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट लोकबंधु ने दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए समस्त जिला श्रीगंगानगर में नशे के रूप में प्रयुक्त की जाने वाली उक्त दवाइ्यों की खुली/अनियन्त्रित बिक्री पर तुरन्त प्रभाव से प्रतिबन्ध लगाया है। थोक एवं खुदरा दवा विक्रेता अथवा अन्य अनाधिकृत व्यक्ति या फर्म द्वारा प्रीगाबलिन की 75 मिग्रा. से अधिक मात्रा की दवाइ्यों का क्रय-विक्रय नहीं करेंगे।

थोक एवं खुदरा दवा विक्रेता अथवा अन्य अनाधिकृत व्यक्ति या फर्म द्वारा उक्त दवाइ्यां (जो एनडीपीएस एक्ट के तहत नशे के रूप में परिभाषित नहीं है, विशेषकर प्रीगाबलिन की 75 मिग्रा., टापेंटाडोल, जोपिक्लोन घटक युक्त दवाइ्यां) का बिना क्रय-विक्रय बिल के बेचान नहीं करेंगे। थोक दवा विक्रेता उक्त दवाइ्यों के समस्त क्रय-विक्रय का दैनिक स्टॉक रजिस्टर बैच नम्बर सहित संधारण करेंगे।

दिनांकवार सूचना प्रत्येक सप्ताह भिजवाये। खुदरा दवा विक्रेता प्रीगाबलिन की 75 मिग्रा., टापेंटाडोल, जोपिक्लोन का विक्रय चिकित्सक की मूल प्रेसक्रिप्शन/पर्ची पर अपनी मुहर व दिनांक अंकित करते हुए करेंगे। सहायक औषधि नियन्त्रक थोक एवं खुदरा दवा विक्रेता के टापेंटाडोल, जोपिक्लोन साल्ट आधारित दवाईयों के क्रय-विक्रय की मासिक रिपोर्ट की जांच कर, वस्तुस्थिति से अवगत करवाया जाना सुनिश्चित करेंगे। सहायक औषधि नियन्त्रक सम्बन्धित उपखण्ड अधिकारी एवं पुलिस विभाग परस्पर समन्वय स्थापित कर टीमें बनाकर (प्रत्येक माह 3 से 5) मैडिकल स्टोर का औचक निरीक्षण करेंगे तथा किसी भी प्रकार की अनियिमतता या उलूंघन पाये जाने पर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही अमल में लाई जानी सुनिश्चित करेंगे।

सहायक औषधि नियन्त्रक कार्यवाही से उपखण्डवार रजिस्टर/सूचनाओं को सम्बन्धित उपखण्ड अधिकारी से सत्यापित करवायेंगे। यह आदेश सम्पूर्ण श्रीगंगानगर जिले में तुरन्त प्रभाव से लागू होगा। इस आदेश का उल्लंघन करने पर पुलिस प्रशासन अथवा उपखण्ड अधिकारी द्वारा भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188 के तहत दण्डित कराने की कार्यवाही की जायेगी। आदेश जारी दिनांक से आगामी दो माह की अवधि तक प्रभावी रहेगा।

फाइल से काम नहीं किया तो मिलेगा नोटिस

हनुमानगढ़। राजकीय कार्यों में पारदर्शिता और समयबद्धता के प्रति राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। कार्यों में सुगमता के लिए ई-फाइल व ई-डाक सिस्टम शुरू किया गया। हनुमानगढ़ कलेक्ट्रेट कार्यालय पूरी तरह से ई-फाइल मोड पर कार्य कर रहा है। ऐसे में अब यदि जिले में विभिन्न विभागों के कार्मिक ई-फाइल से कार्य सम्पादित नहीं करने पर उन्हें नोटिस दिया जाएगा।

जिला कलेक्टर काना राम ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक की। लापरवाही बरतने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त परिवेदनाओं का तुरंत निस्तारित करें। इनमें डिस्पोजल समय घटाए और परिवादियों को सही जानकारी देकर संतुष्टि बढ़ाए। जिला कलेक्टर ने राज्य सरकार के लेखानुदान, 100 दिवसीय कार्ययोजना और सांसद/विधायक कोष से स्वीकृत कार्यों को शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आमजन की प्रगति और विकास के प्रत्येक कार्यों को समयबद्ध कराने के लिए गंभीर है। इसलिए पूरी जिम्मेदारी के साथ पूर्ण कराए।

वाटर लाइन बिछाने के लिए सड़कें खोदी और भूल गई ठेका कंपनी

श्रीगंगानगर,(निसं)। पुरानी आबादी इलाके में वाटर लाइन बिछाने के लिए करीब दो सप्ताह पहले खोदी गई सड़कों को ठेका कंपनी भूल गई है। इससे लोगों की आवाजाही प्रभावित हो गई है। वहीं मिट्टी के ढेर से उड़ने वाली रेत लोगों को परेशान कर रही है। इधर, खोदी गई सड़कों पर दुकानदारों की दुकानदारी प्रभावित हो गई है। कई दुकानें तो पिछले दस दिनों से खुल भी नहीं रही है। यही हाल एल ब्लॉक, जी ब्लॉक और विनोबा बस्ती एरिया का है। यहां एक सप्ताह में वाटर लाइन और सीवर लाइन बिछाने के बाद सड़कों का फिर से निर्माण करने का दावा ठेका कंपनी एलएंडटी ने किया था, लेकिन दस दिन के बाद महज पचास फीसदी ही काम हो पाया है। नगर परिषद की ओर से इस एरिया में आठ महीने पहले नई सड़कों का जाल बिछाया गया था, लेकिन अब तोड़ दी गई है।

आरयूआईडीपी ने पुरानी आबादी सब्जी मंडी के पास एरिया को प्रयोगशाला बना दिया है। यहां पाइपलाइन डालने के लिए सड़क खोदी और इसे दुबारा मरम्मत करना भूल गए। यह सड़क कोड़ा चौक से भरतनगर तक जाती है। इस पर काफी वाहन रोजाना आवाजाही करते हैं, लेकिन पिछले दस दिनों से यह पूरा मार्ग बंद हो चुका है। पुरानी आबादी के अधिकांश वार्डों के लोग इस मार्ग के अवरुद्ध होने पर अपने एरिया के पार्षद को कोस रहे हैं। इस मुख्य रोड को ठेका कंपनी ने प्रयोगशाला बना दिया है। वाटर लाइन को दुरुस्त करने के नाम पर इस रोड को खोदा जा चुका है। दुकानदारों का कामकाज ठप हो गया है।

विनोबा बस्ती में नगर परिषद की पूर्व सभापति करुणा चांडक के आवास और ऑफिस के पास तीन गलियों में खोदी गई सड़कों के कारण यह एरिया अब नो एंट्री बन गया है। मिट्टी के ढेर लगने के बावजूद इसे दुरुस्त नहीं किया गया है। इस एरिया में आरयूआईडीपी ने वाटर लाइन और सीवर लाइन दोनों को एक साथ बिछाने की मुहिम चलाई है। प्री मानूसन होने के आसार जिला प्रशासन ने दिए हैं, लेकिन आरयूआईडीपी ने इसके बावजूद गंभीरता से नहीं लिया है। महज सात दिन में काम पूरा करने वाली ठेका कंपनी के कारीगर इसे एरिया में अब तक महज चालीस से पचास प्रतिशत काम होने की बात कहने लगे हैं। यह खुदाई पिछले दो सप्ताह से हो रही है। विनोबा बस्ती से सटे गणगौर नगर क्षेत्र में सीवरेज चेबर व पाइपलाइन डालने के लिए सड़क के बीचों बीच नहर जैसी खुदाई करके छोड़ दी गई है। यहां पैदल भी लोग आवाजाही को तरस रहे हैं।

मोहल्लेवासियों का कहना है कि बरसात की संभावना बार बार मौसम विभाग कर रहा है, ऐसे में यदि वर्ष 2022 जैसी बरसात आई तो अधिकांश मकान डूबने की कगार पर पहुंच जाएंगे। इस एरिया में अब ठेका कंपनी के कारीगर गिनती के आते हैं। पूरा एरिया की एक साथ सड़कों को तोड़ने को लेकर लोगों में नाराजगी ज्यादा है।

आरयूआईडीपी के लिए वाटर लाइन में बार बार लीकेज अब गलफांस बन गए हैं। इन लीकेज को ढूंढने के लिए इस नोडल एजेंसी की ठेका कंपनी एलएंडटी कंपनी के कारीगरों को अब तक रूट तक पता नहीं हैं। एसडी कॉलेज के सामने सीवर चैंबर से पानी लगातार बहता रहा तो दुकानदार ने नगर परिषद या ठेका कंपनी की बजाय सीधे जिला कलक्टर को शिकायत की।

सॉफ्टवेयर से गड़बडियों पर ऑनलाइन निगरानी

श्रीगंगानगर। सहकारिता विभाग के पूरे सिस्टम को ऑनलाइन करने का कार्य बड़े स्तर पर चल रहा है। सॉफ्टवेयर के माध्यम से घोटालों और गड़बडियों पर ऑनलाइन निगरानी रखी जाएगी।

इसके लिए नाबार्ड की सहायता से श्रीगंगानगर-अनूपगढ़ सहित राज्य की 7500 और देश की 68 हजार ग्राम सेवा सहकारी समितियों को कंप्यूटरीकृत किया जा रहा है। श्रीगंगानगर में 15 और राज्य में 254 समितियों का ऑनलाइन फीडिंग का कार्य गो-लाइव पूर्ण हो चुका है। अन्य समितियों में कार्य तेजी के साथ चल रहा है। इस काम पर 2516 करोड़ रुपए की राशि खर्च की जाएगी।

इसमें केंद्र का सत्तर,राज्य का साठ व नाबार्ड का दस प्रतिशत राशि वहन करेगा। उल्लेखनीय है कि इससे पहले नाबार्ड ने ग्राम सेवा सहकारी समितियों को ऑनलाइन करने के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में कार्य हाथ में लिया गया था। इसमें राज्य की पांच ग्राम सेवा सहकारी समितियों का चयन किया गया था। वहां पर कार्य सफल रहने पर अब पूरे भारत की ग्राम सेवा सहकारी समितियों को कंप्यूटरीकृत करने का कार्य किया जा रहा है।

दी गंगानगर केंद्रीय सहकारी बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक कंप्यूटीकृत पवन कुमार शर्मा ने बताया कि ग्राम सेवा सहकारी समितियां ऑनलाइन होने पर इनकी प्रोपर मॉनिटरिंग होने लगेगी। लेखा का रेकॉर्ड ऑनलाइन होने पर गड़बडिय०ां कम होगी।

समिति स्तर पर डेटा ऑनलाइन होने पर सूचनाएं समय पर मिल सकेंगी। जिले की 136 ग्राम सेवा सहकारी समितियों की ऑडिट तथा 202 समियितों का वाउचर फीडिंग का कार्य चल रहा है। एक ग्राम सेवा सहकारी समिति के डाटा ऑनलाइन करने पर करीब चार लाख रुपए की राशि खर्च की जा रही है।

इसमें हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, ट्रेनिंग, डाटा प्री-प्रेशन एवं डिजीटाइजेशन व हैंड होल्ड स्पॉट आदि पर 391369.00 राशि खर्च करने का प्रावधान किया हुआ है।

संजय गर्ग,एमडी,दी गंगानगर केंद्रीय सहकारी बैंक,श्रीगंगानगर का कहना है कि जिले में 15 समितियों का डॉटा ऑनलाइन कर गो-लाइव कंप्लीट कर दिया है तथा 202 समितियों में वाउचर फीडिंग का कार्य चल रहा है। यह कार्य नाबार्ड की सहायता से किया जा रहा है।

समाजसेवी गोविन्द राम पांडे को दी श्रद्धांजलि

बीकानेर । शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के गौरव वरिष्ठ समाजसेवी व सेवानिवृत बैंक एशोसियेसन के संरक्षक गोविन्द राम पांडे के निधन पर सामाजिक कार्यकर्त्ताओं के संगठनों व ऑल् रिटायर्ड बैंक एम्पलाइज एसोसियेशन के संरक्षक को अलग अलग शोक समा कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पहली सभा श्रीश्यामोजी वंशज मूंधाड़ भोजक सेवग प्रन्यास में प्रांतीय महासभा के पुरूषोत्तम सेवक के संयोजन में श्रद्धांजलि अर्पित की गई जिसमें बगीची के अध्यक्ष बाबूलाल जेठमल सेवग, महामंत्री शिवचंद भोजक, कोषाध्यक्ष विनोद भोजक, शाकद्वीपीय ब्राह्मण बंधु चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष आर के शर्मा, कल्याण फाउन्डेशन की अध्यक्षा श्रीमती कामिनी विमल भोजक, खुश भोजक, राजेन्द्र सेवग, कुसुम ने कमन्योगी, विधवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में सहयोगी गोविन्द राम पांडे को पुष्पांजलि दी।

शतरंज को अभ्यास के द्वारा ही सीखा जा सकता है : हर्ष

बीकानेर। अजित फाउण्डेशन द्वारा आयोजित शतरंज शिविर के शुभारम्भ के अवसर पर सुप्रसिद्ध शतरंज खिलाड़ी एवं प्रशिक्षक शंकर लाल हर्ष ने कहा कि शतरंज को अभ्यास के द्वारा ही सीखा जा सकता है। शतरंज के खेल में प्रत्येक मोहरे को एक निश्चित स्थान दिया जाता है उसके पीछे भी तार्किक सोच होती है। हर्ष ने हाथी का उदाहरण देते हुए कहा कि सेना में हाथी को एकदम किनारे खड़ा किया जाता है क्योंकि हाथी के चोट लगने पर वह अपनी ही सेना को नुकसान पहुंचा देता है, इसी प्रकार शतरंज की बिसात पर हाथी को दोनो किनारों पर रखा जाता है। उन्होंने कहा कि शतरंज के खेल में जीतने के लिए हमें राजा को बचाना होता है और इसके लिए हमें मजबूत रणनीति बनानी होती है । शतरंज खिलाड़ी एवं प्रशिक्षक अनिल बोड़ा ने कहा कि शतरंज से मानसिक सोच के विकास के साथ-साथ खिलाड़ी में धैर्य प्रवृति का विकास भी होता है।

बोड़ा ने कहा कि शतरंज के खेल से किसी भी खिलाड़ी का व्यक्तित्व बदला जा सकता है। उन्होंने कहा कि शतरंज के माध्यम से गणना की प्रवृति बढ़ती है तथा आईक्यू बढ़ता है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे फारूक चौहान ने कहा कि शतरंज खेलने से जीवन का सर्वांगीण विकास होता है क्योंकि यह खेल पूर्णतया अनुशासन का खेल है जिसमें बुद्धि को प्रखा जाता है। शतरंज हमें जीवन में आने वाली मुश्किलों को लड़ने हेतु तैयार करता है। शतरंज खिलाड़ी एवं प्रशिक्षक भानू आचार्य तथा कपिल पंवार ने इस अवसर पर बच्चों को शतरंज की बारिकियों के बारे में बताते हुए खेल को लिखना एवं समझने के बारे में बताया। संस्था समन्वयक संजय श्रीमाली ने कार्यक्रम के शुरूआत में कहा कि प्रति वर्ष अजित फाउण्डेशन द्वारा शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है लेकिन इस वर्ष शतरंज प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है ताकि अच्छे खिलाड़ी तैयार हो सके। शिविर में लगभग 40 प्रतिभागी बीकानेर के विभिन्न हिस्सों से भाग ले रहे है।

कार में घुसा ऊंट : बीकानेर संभाग में एक अजीबोगरीब वाक्या सामने आया है, जहां एक ऊंट कार में घुस गया। कार में घुसे ऊंट को देखकर लोग चकरा गये। मामला हनुमानगढ़ का है। जहां एक ऊंट को कार की टक्कर लग गई। उसके बाद ऊंट कार का आगे का शीशा तोड़ता हुआ उसके अन्दर बुरी तरह से फंस गया, जिसे देखने के लिए लोगों की भीड़ लग गई और एकबारगी यातायात जाम हो गया।

डी.टी.ओ. कार्यालय खोला

बीकानेर, (निसं)। क्षेत्र के नोखा उपखंड में इकलौता गांव यहां करीने से खड़े ट्रक, खेतों में पंक्तिबद्ध खड़ी बसें। यह न तो ट्रकों का पार्किंग स्थल है, न ही बसों की कार्यशाला। यह प्रदेश का इकलौता गांव है, जहां इतने ट्रक और बसें हैं कि इसके लिए नोखा में अलग से डीटीओ कार्यालय ही खोलना पड़ा। प्रदेश में सर्वाधिक ट्रक-ट्रोलों वाला यह गांव रासीसर बीकानेर के नोखा उपखंड क्षेत्र में है। इस गांव के ट्रकों और बसों से सालाना पांच करोड़ का राजस्व सरकार को टैक्स के रूप में मिलता है। गांव की आबादी भले 15 हजार है, लेकिन करोड़ों रुपए की कीमत के 1500 ट्रक-ट्रोले और 125 बसों के मालिक यहां रहते हैं। इसमें बड़ा हिस्सा अकेले रासीसर गांव का है। यहां पर ट्रांसपोर्ट व्हीकल में 1500 ट्रक-ट्रेलर-डंपर, 125 छोटी-बड़ी बसें, 728 पिकअप-कैम्पर, 806 लग्जरी कारों के साथ ऑटो समेत कई गाड़ियां हैं। 1800 से 2000 दुपहियां वाहन है।

JECRC UNIVERSITY
BUILD YOUR WORLD
Jaipur

NAAC NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL
NURTURING JECRC TALENT JECRC Foundation
24 YEARS OF ACADEMIC EXCELLENCE

Admissions 2024-25

A Leading & Premier University in the Beautiful Land of Jaipur

Vibrant Campus Life with 16000+ Currently Enrolled Students
Grant Worth ₹ 12.9 Cr. Disbursed for Startups by JECRC Incubation Centre Under MeitY — MEITY STARTUP HUB
2008 Placement Offers for Graduates of 2024 as on 10th April
9th Rank among emerging multidisciplinary universities in India by the prestigious the week magazine — THE WEEK
1590 Best-in-Class internship in year 2024

OFFERING WORLD CLASS COURSES
(Masterfully Designed and Delivered in Collaboration with Corporates)

Engineering | Computer Applications | Business Studies | Sciences | Hospitality | Mass Communication | Design | Law | Humanities & Social Sciences | Economics | Allied Health Sciences | Liberal Studies | MBA for Working Professionals

JU DIFFERENTIATORS
- 2 Large Campuses.
- 25000+ Alumni in 35 Countries.
- Government funded research grant worth Rs. 15 Crore.
- 130 Patents filed and 107 Published.
- Students from 29 States and UTs.

INDUSTRY COLLABORATION
- Academic Collaboration with 40 top notch corporates to offer degree programme.
- 55+ Specialized Corporate programs in latest technologies like AI, Cloud, Data Science, Full Stack Web Development, Block Chain, Cyber Security, Software Product Engineering & many more.

BEYOND THE CLASSROOM
- Preferred choice for meritorious students of the country.
- 22 Student Clubs driven by Student Council.
- Makerspace - A Gravitating platform, Redefining Robotics & Automation.
- IAESTE LC - International internship platform.
- Mpower Cell - Fostering Mental Health Literacy.

To know more about Admissions: TOLL FREE : 1800 120 5616 | Call: +91- 9116642285
For Liberal Studies Call : +91 98292 12396
MBA for Working Professionals Call : +91 - 91161 07504
Website : www.jecrcuniversity.edu.in